चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 9.5.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-4

एचएयू ने ढाई एकड़ में लगाई सूरजमुखी, एक माह बाद आए फूल

हिसार | एचएयू ने ढाई एकड़ में एक महीने पहले सूरजमुखी के बीच बोए थे। अब इस पर फूल आने लगे हैं। इसके लिए दिल्ली से बीज लाए गए। गर्मी के कारण कुछ दिक्कतें जरूर आई मगर कुछ प्रयोगों के बाद अब पैदावार अच्छी हो रही है। सूरजमुखी की बिजाई करने के लिए 15 जनवरी से 15 फरवरी तक का समय सबसे अच्छा है। बीज की मात्रा उन्नत किस्मों का 4 किलोग्राम तथा संकर किस्मों का 1.5 से 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ पर्याप्त होता है। किसान ध्यान रखें कि बिजाई के समय तापमान कम न हो नहीं तो अंकुरण में समस्या होती है। बीज उपचार व बिजाई विधि सूरजमुखी के बीज शीघ्र अंकुरण व अधिक जमाव तथा अधिक उत्पादन के लिए बीज को चार से छह घंटे तक भिगोयें ताकि बिजाई से पहले छाया में सुखा लें। इसके साथ ही बीजोपचार में किसी फफूंदनाशी का प्रयोग करें ताकि बीज जनित बीमारी न हो। सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन के बाद पहली सिंचाई करें। फूल आने पर खेत में नमी बरकरार रखनी चाहिए। 10-15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें।

फोटो : रॉकी कुमार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 9.5.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-6

एच.ए.यू. के होम साइंस कॉलेज में फैशन डिजाइंग कोर्स की ट्रेनिंग लेती छात्राएं।

पढ़ाई के साथ हर क्षेत्र में पहचान बना रही एच.ए.यू. की छात्राएं

हिसार,8 मई(संदीप): वास्तव में ही बेटियों का कोई जवाब नहीं। घर का आंगन भी बेटियों के बगैर सूना रहता है। बेटियों ने साबित कर दिखाया है कि वो किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। आज बेटियां शिक्षा के क्षेत्र से लेकर रोजगार के क्षेत्र में भी अपना लोहा मनवा रही हैं। यही साबित कर दिखाया है एच.ए.यू. के होम साइंस कॉलेज की छात्राओं ने। एच.ए.यू. के इस कॉलेज की छात्राएं पढ़ाई के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ा रही हैं। यहां की छात्राएं फैशन डिजाइनिंग में चार-चांद लगा रही हैं। छात्राएं बुनाई, कढ़ाई, सिलाई का कोर्स करती हैं व साथ में मेल, फीमेल सहित बच्चों के हर प्रकार के फैंसी ड्रैस बना रही हैं।

ग्रुप बनाकर पढ़ाई करते हुए छात्राएं एवं एच.ए.यू. के होम साइंस कॉलेज में फैशन डिजाइंग कोर्स ट्रेनिंग लेती छात्राएं।

मिलकर रहती हैं छात्राएं

एच.ए.यू. के होम साइंस कॉलेज में सभी छात्राएं मिलकर रहती हैं। सभी छात्राएं एक-दूसरे का सहयोग करती हैं। छात्राएं हाई टैक्नोलॉजी मशीनों से कढ़ाई, बुनाई व सिलाई का कार्य सीखती हैं।

ये बोली छात्राएं

बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। एच.ए.यू. की छात्राएं होम साइंस कॉलेज में पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार में भी कामयाबी हासिल कर रही हैं।

पूजा, पीएच.डी. स्कॉलर।

सभी छात्राएं मिलकर रहती हैं। सभी एक-दूसरे का सहयोग करती हैं। होम साइंस कॉलेज में कई चीजें सीखने को मिलती हैं।

पूजा, पीएच.डी. स्कॉलर।

पढ़ाई के साथ-साथ हम स्वरोजगार की ट्रेनिंग भी ले रही हैं। यहां सिर्फ यूनिवर्सिटी की ही नहीं बल्कि आसपास के गांव से भी लड़कियां डिजाइनिंग का कोर्स करने आती हैं।

मेघा, छात्रा एम.एससी.।

बेटियां हर फिल्ड में आगे निकल रही हैं। एच.ए.यू. की छात्राएं खेल, शिक्षा, रिसर्च व रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहीं हैं।

रीतिका, छात्रा एम.एससी.।